



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 346] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 11, 1986/आषाढ़ 20, 1908  
No. 346] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 11, 1986/ASADHA 20, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1986

प्रधिसूचना

सं. 383/86—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.वि. 943 (अ) :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केन्द्रीय  
उत्पाद-शुल्क वीर नामक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क  
के उद्घरण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्घरण न किया जाता भी है) साधारणतया

प्रवर्तित प्रथा के अनुसार, उक्त अधिनियम की पञ्चमी अनुसूची [जैसी कि वह अनुसूची केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क दरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के प्रारंभ के पूर्व विद्यमान थी] की मव सं. 22छ के अन्तर्गत आने वाली ऐसी फर्श की बिछायतों पर, जिनके विनिर्माण में या उसके संयंघ में कोई प्रक्रिया सामान्यतया मशीनों की सहायता से, नहीं की जाती, चाहे शक्ति या वाष्प की सहायता से या उसके बिना चलाई जाती हों, उत्पाद-शुल्क, 3 जून, 1983 को प्रारम्भ और 4 मई, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, उद्गृहीत नहीं किया जा रहा था;

और ऐसी फर्श की बिछायतों पर विशेष उत्पाद-शुल्क भी पूर्वोक्त अवधि के दौरान सुसंगत विधि के अधीन उद्गृहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर, ऐसी फर्श की बिछायतों पर प्रथम वर्णित अधिनियम के अधीन संवेद्य सभी उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद-शुल्क ऐसी फर्श की बिछायतों की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद-शुल्क, उक्त प्रथा के अनुसार, पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्गृहीत नहीं किए गए थे।

— [फा. सं. 51ए/5/84—सी एक्स 2]

सी. पी. श्रीवास्तव, सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 11th July, 1986

### NOTIFICATION

No. 363/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 943(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on floor coverings, in or in relation to the manufacture of which any process is not ordinarily conducted with the aid of machines whether operated with or without the aid of power or steam, falling under Item No. 22G of the First Schedule to the said Act [as it existed prior to the commencement of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986)], was not being levied under the said section 3 during the period commencing on the 3rd day of June, 1983 and ending with the 4th day of May, 1984;

And whereas the special duty of excise on the said floor coverings was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act or, as the case may be, under the said law on such floor coverings, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such floor coverings, on which the said duty of excise and special duty of excise were not being levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 51A/5/84-CX. 2.]

C. P. SRIVASTAVA, Under Secy.

